

10.12.18 (E)

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 7867

IC

Unique Paper Code : 12135906

Name of the Paper : Fundamentals of Indian
Philosophy (GE-6)

Name of the Course : GE for Hons : Sanskrit

Semester : III

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. Answer all questions.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।
3. सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

P.T.O.

भाग 'क'

Section 'A'

1. 'दर्शन' शब्द को स्पष्ट करते हुए आस्तिक दर्शन की प्रमुख विशेषताओं का वर्णन कीजिए। (15)

Explaining the meaning of '*Darśana*' describe the main characteristics of Orthodox Philosophy.

अथवा / OR

'दर्शन' शब्द को स्पष्ट करते हुए आस्तिक एवं नास्तिक दर्शन में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

Explaining the meaning of '*Darśana*', describe the differences between Orthodox and Heterodox Philosophy.

भाग 'ख'

Section 'B'

किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए : (15×3=45)

Answer any **three** of the following :

2. जैन दर्शन के 'अनेकान्तवाद' एवं 'त्रिरत्न' विषयक मत का वर्णन कीजिए।

Describe the *Anekāntavāda* and *Triratna* of Jainism.

3. बौद्ध दर्शन का सामान्य परिचय दीजिए एवं इसके चार आर्य सत्त्यों का वर्णन कीजिए।

Give the general Introduction of Buddhism and describe its four noble truth.

4. सांख्य दर्शन के प्रमुख सिद्धान्तों का वर्णन कीजिए।

Describe the main principles of *Sāṅkhya* Philosophy.

5. योग दर्शन में प्रतिपादित 'अष्टांग-योग' का वर्णन कीजिए।

Describe *Aṣṭāṅga-yoga* as mentioned in Yoga Philosophy.

6. अद्वैत-वेदान्त में वर्णित जीव एवं जगत् के स्वरूप का वर्णन कीजिए।

Describe the *Jīva* and *Jagat* as mentioned in *Advaita Vedānta*.

7. वेदान्त के भक्ति सम्प्रदायों के अनुसार भक्ति के स्वरूप वर्णन कीजिए।

Describe the nature of *Bhakti* according to Bhakti schools of Vedānta.

7867

4

भाग 'ग'

Section 'C'

8. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए :-

(7.5×2=15)

Write short notes on any **two** of the following :

(क) प्रत्यक्ष प्रमाण (Perception)

(ख) परिणामवाद (Pariṇamavāda)

(ग) स्वभाववाद (Svabhāvavāda)

(घ) पुर्नजन्म (Rebirth)

(ङ) मोक्ष (Liberation)